



# NEWSLETTER

शनिवार, 04 नवंबर 2023 | वॉल्यूम - 70

Article | Cotton Weekly Physical chart | Weekly cotton arrival | Important News



**भारत में कपास की पैदावार 15 साल में सबसे कम, 20% तक गिर सकती है**

**IMPORT & EXPORT UPDATE**



**GOLD : 61025**  
**SILVER : 72287**  
**CRUDE OIL : 6699**

## भारत में विभिन्न गुणवत्ता वाले कपास



**एमसीयू 5:** एमसीयू 5 अच्छी फाइबर गुणवत्ता और उपज के साथ भारत में व्यापक रूप से उगाई जाने वाली कपास की किस्म है।

**बन्नी 42:** बन्नी 42 एक अन्य बीटी कपास किस्म है जिसमें कीटों के प्रति अच्छा प्रतिरोध और उच्च उपज है।

**जेके हाइब्रिड:** जे 34 जैसे जेके हाइब्रिड उत्तरी भारत में उगाए जाते हैं और अपनी गुणवत्ता और उपज के लिए जाने जाते हैं।

**"MECH-1":** भारत में खेती के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विकसित कपास की एक किस्म है। यह कुछ कीटों और बीमारियों के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता के लिए जाना जाता है, जिससे यह कपास किसानों के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बन गया है। इसे कपास उत्पादकों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए विकसित किया गया था, जिसमें अमेरिकन बॉलवर्म जैसे कीट और लीफ कर्ल वायरस जैसी बीमारियाँ शामिल थीं।

**"DCH-1":** कपास के बीज आमतौर पर विभिन्न कृषि अनुसंधान संगठनों और कंपनियों द्वारा विकसित कपास की किस्मों की एक श्रृंखला को संदर्भित करते हैं। डीसीएच का मतलब "धारवाड़ कॉटन हाइब्रिड" है और कपास की ये किस्में विशिष्ट क्षेत्रों में खेती के लिए उपयुक्तता के लिए जानी जाती हैं। धारवाड़, भारत के कर्नाटक राज्य का एक शहर, अपने कपास अनुसंधान और कपास संकर विकास के लिए प्रसिद्ध है।

जानकारी के अनुसार, भारत में कई उच्च गुणवत्ता वाले कपास के बीज की किस्में लोकप्रिय थीं। "सर्वोत्तम" किस्म का चुनाव क्षेत्र, जलवायु और कपास किसान की विशिष्ट आवश्यकताओं जैसे कारकों पर निर्भर करता है। कपास की किस्में लगातार विकसित हो रही हैं, इसलिए सर्वोत्तम किस्म समय के साथ बदल सकती है। भारत में अपनी गुणवत्ता के लिए जानी जाने वाली कपास की कुछ किस्मों में शामिल हैं:

**बन्नी (बीटी):** बन्नी भारत में एक लोकप्रिय बीटी कपास की किस्म है जो अपनी उच्च उपज और कीट प्रतिरोध के लिए जानी जाती है।

**गुजरात कपास की किस्में:** गुजरात में कई क्षेत्र-विशिष्ट कपास की किस्में हैं, जैसे कि गुजरात संकर 6, गुजरात संकर 9, और गुजरात संकर 10, जो राज्य की बढ़ती परिस्थितियों के अनुकूल होने के लिए जानी जाती हैं।

कपास के बीज की किस्में अलग-अलग क्षेत्रों और जलवायु परिस्थितियों के अनुसार अपनी अनुकूलनशीलता में भिन्न हो सकती हैं। किसानों के लिए यह आवश्यक है कि वे अपने विशिष्ट स्थान और आवश्यकताओं के लिए सबसे उपयुक्त कपास की किस्म निर्धारित करने के लिए स्थानीय कृषि विशेषज्ञों, बीज कंपनियों या कृषि विस्तार सेवाओं से परामर्श करें।

## काँटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

**SMART INFO SERVICES**  
**CALL : 91119 77771 - 5**  
**WEEKLY CHART 04.11.2023**

| ICE COTTON               |          |                    |               |
|--------------------------|----------|--------------------|---------------|
| MONTH                    | 27.10.23 | 03.11.23           | WEEKLY CHANGE |
| DEC                      | 84.38    | 79.62              | -4.76         |
| MARCH                    | 86.13    | 82.12              | -4.01         |
| MAY                      | 86.98    | 83.18              | -3.8          |
| MCX (COTTON)             |          |                    |               |
| NOV                      | 59100    | 58400              | -700          |
| JAN                      | 59800    | 59240              | -560          |
| NCDEX (KAPAS)            |          |                    |               |
| APRIL                    | 1645     | 1613               | -32           |
| NCDEX (COCUD KHAL)       |          |                    |               |
| DEC                      | 2907     | 2934               | 27            |
| JAN                      | 2868     | 2857               | -11           |
| FEB                      | 2880     | 2860               | -20           |
| SMART INFO SERVICE       |          | CALL : 91119 77775 |               |
| CURRENCY (\$)            |          |                    |               |
| INDIAN (Rupee)           | 83.24    | 83.17              | -0.07         |
| PAK (Pakistani Rupee)    | 280.325  | 284.498            | 4.173         |
| CNY (Chinese yuan)       | 7.31735  | 7.30199            | -0.01536      |
| BRAZIL (Real)            | 5.01520  | 4.90109            | -0.11411      |
| AUSTRALIAN Dollar        | 1.57990  | 1.53550            | -0.0444       |
| MALAYSIAN RINGGITS       | 4.77785  | 4.72949            | -0.04836      |
| COTLOOK "A" INDEX        | 95.00    | 91.80              | -3.2          |
| BRAZIL COTTON INDEX      | 78.91    | 81.29              | 2.38          |
| USDA SPOT RATE           | 79.56    | 74.73              | -4.83         |
| MCX SPOT RATE            | 58440    | 57240              | -1200         |
| KCA SPOT RATE (PAKISTAN) | 17000    | 17200              | 200           |
| GOLD (\$)                | 2016.30  | 1999.90            | -16.4         |
| SILVER (\$)              | 23.245   | 23.330             | 0.085         |
| CRUDE (\$)               | 85.16    | 80.89              | -4.27         |

नवंबर माह के पहले सप्ताह इंटरनेशनल काँटन मार्केट में गिरावट देखने को मिली |

इंटरनेशनल काँटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए काँटन के भाव क्रमशः 4.76, 4.01 और 3.80 सेंट तक गिरे ।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर काँटन के दाम में भी गिरावट देखी गई। नवंबर और जनवरी माह के सौदे के भाव में क्रमशः 700 और 560 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट आयी |

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव 32 रूपए प्रति 20 किलो तक घटे, वही खल के भाव में क्रमशः जनवरी और फरवरी माह में 11 और 20 रूपए प्रति क्विंटल की गिरावट हुई।

अन्य देशों के काँटन मार्केट पर नजर करें तो काँटलुक "ए" इंडेक्स में 3.20 सेंट की गिरावट आयी, यूएसडीए स्पॉट रेट 4.83 सेंट घटा और एमसीएक्स स्पॉट रेट में पर 1200 रूपय प्रति कैंडी की गिरावट हुई, वही ब्राजील काँटन इंडेक्स पर 2.38 अंक की बढ़त दर्ज की गई है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताह अंत तक 200 रूपए तक भाव घटे।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

**SMART INFO SERVICES**  
**ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL**

CALL : 91119 77775

| STATE           | 30.10.23 | 31.10.23 | 01.11.23 | 02.11.23 | 03.11.23 | 04.11.23 |
|-----------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| PUNJAB          | -        | -        | -        | -        | -        | -        |
| HARYANA         | 7,000    | 7,000    | 7,000    | 7,000    | 9,500    | 9,500    |
| UPPER RAJASTHAN | 9,000    | 9,000    | 9,000    | 9,000    | 10,000   | 10,000   |
| LOWER RAJASTHAN | 10,500   | 8,000    | 8,000    | 12,000   | 11,000   | 11,000   |
| NORTH ZONE      | 26,500   | 24,000   | 24,000   | 28,000   | 30,500   | 30,500   |
| GUJRAT          | 30,000   | 24,000   | 30,000   | 30,000   | 30,000   | 30,000   |
| MAHARASHTRA     | 7,000    | 10,000   | 10,000   | 9,000    | 12,000   | 12,000   |
| MADHYA PRADESH  | 12,000   | 9,000    | 10,500   | 12,000   | 12,000   | 12,000   |
| CENTRAL ZONE    | 49,000   | 43,000   | 50,500   | 51,000   | 54,000   | 54,000   |
| KARNATAKA       | 8,000    | 7,000    | 6,500    | 5,500    | 7,000    | 7,000    |
| TELANGANA       | 7,000    | 4,500    | 6,500    | 5,000    | 10,000   | 10,000   |
| ANDHRA PRADESH  | 3,500    | 2,500    | 3,000    | 3,000    | 3,500    | 3,500    |
| TAMILNADU       | 1,000    | 500      | 500      | 500      | 1,000    | 1,000    |
| SOUTH ZONE      | 19,500   | 14,500   | 16,500   | 14,000   | 21,500   | 21,500   |
| ODISHA          | -        | -        | -        | -        | -        | -        |
| TOTAL           | 95,000   | 81,500   | 91,000   | 93,000   | 106,000  | 106,000  |

Note : Punjab arrival nill this week due to Strike

## भावपूर्ण श्रद्धांजली



**स्व. श्री प्रवीण जी सिंघानिया**

17 दिसंबर 1984 - 30 अक्टूबर 2023

अच्छे लोग दिलों में इस तरह उतर जाते हैं,  
कि मरने के बाद भी अमर हो जाते हैं !

शोकाकुल - स्मार्ट इन्फो टीम



## भारत में कपास की पैदावार 15 साल में सबसे कम, 20% तक गिर सकती है

भारत में 2023-24 के लिए कपास का उत्पादन पिछले 15 वर्षों में सबसे कम होने का अनुमान है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के पहले अनुमान से पता चला है कि उत्पादन लगभग 29.51 मिलियन गांठ होगा।

कपास की एक गांठ का वजन 170 किलोग्राम होता है।

चालू वर्ष के लिए उत्पादन अनुमान अक्टूबर की शुरुआत में घोषित 31.65 मिलियन गांठ के सरकारी अनुमान से काफी कम है।

2022-23 में, उत्पादन 31.89 मिलियन गांठ था और यदि पूर्वानुमान सच हुआ, तो कपास का उत्पादन 7.49 प्रतिशत कम दर्ज किया जाएगा।

कॉटन एडवाइजरी बोर्ड के अनुसार, भारत में सबसे कम कपास उत्पादन 2008-09 में 29 मिलियन गांठ के साथ दर्ज किया गया था।

सीएआई ने नुकसान के लिए कपास की बुआई के कुल क्षेत्रफल में कमी को जिम्मेदार ठहराया है, जिसमें 5.5 प्रतिशत की कमी आई है और अल नीनो के कारण प्रतिकूल मौसम की स्थिति और उत्तर भारत में गुलाबी बॉलवॉर्म के गंभीर संक्रमण के कारण उपज में 20 प्रतिशत तक की गिरावट आई है।

उत्तर भारत में फसल की अनुमानित मात्रा 6.2 मिलियन गांठ से घटकर 4 मिलियन गांठ रह गई है।

सीएआई ने 2023-24 सीज़न के दौरान गुजरात में 8.5 मिलियन गांठ, महाराष्ट्र में 7.6 मिलियन गांठ, तेलंगाना में तीन मिलियन गांठ, कर्नाटक में 1.85 मिलियन गांठ, मध्य प्रदेश में 1.8 मिलियन गांठ और हरियाणा में 1.6 मिलियन गांठ कपास उत्पादन का अनुमान लगाया है। समाचार एजेंसी प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया।

एसोसिएशन का अनुमान है कि भारत 2.2 मिलियन गांठ कपास का आयात करेगा और उम्मीद है कि कपास की उपलब्धता लगभग 34.6 मिलियन गांठ होगी। घरेलू मांग 31.1 मिलियन गांठ है, जिसमें मिलों के लिए 28 मिलियन गांठ, गैर-मिलों के लिए 1.6 मिलियन गांठ और छोटे पैमाने के लिए 1.5 मिलियन गांठ शामिल है।

## ब्राजील भारत को कपास निर्यात करने के लिए टैरिफ-मुक्त कोटा के लिए बातचीत कर रहा है



ब्राजील भारत को कपास निर्यात करने के लिए टैरिफ-मुक्त कोटा के लिए बातचीत कर रहा है

ब्राजीलियाई कपास किसान संघ (अब्रापा) के एक बयान के अनुसार, ब्राजील एशियाई देशों में ब्राजीलियाई कपास के निर्यात के लिए 100,000 मीट्रिक टन के टैरिफ-मुक्त कोटा के अनुरोध पर भारत के साथ बातचीत कर रहा है।

एसोसिएशन ने नोट में कहा कि सरकारी अधिकारियों और ब्राजीलियाई कपास किसानों की एक टीम इस सप्ताह भारत का दौरा कर रही है, जो उस कोटा को लागू करने के लिए एक समझौते पर मुहर लगाने की कोशिश कर रही है।

एसोसिएशन ने कहा, वर्तमान में, भारत में किसी भी कपास निर्यात पर 11% का आयात कर चुकाना पड़ता है।

अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार, इस सौदे से दक्षिण अमेरिकी देश में विस्तारित कपास उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, जिसके इस साल दुनिया के नंबर 1 कपास निर्यातक के रूप में अमेरिका को पीछे छोड़ने की उम्मीद है।

अब्रापा के प्रमुख सेलेस्टिनो ज़ेनेला ने कहा, "हमारा मानना है कि भारत में ब्राजीलियाई कपास की बड़ी मात्रा उनके उत्पादन के लिए पूरक होगी, खासकर इस साल जब उनकी फसल 7% से घटकर 10% होने की उम्मीद है।"

# TOP 5

## NEWS OF THE WEEK

### वियतनाम के फाइबर निर्यात से सकारात्मक संकेत मिलने की उम्मीद है

वियतनाम दुनिया का छठा सबसे बड़ा फाइबर निर्यातक है और चीन और बांग्लादेश के बाद कपड़ा और परिधान का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। सामान्य सीमा शुल्क विभाग के नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि, 2023 की तीसरी तिमाही के अंत तक, फाइबर निर्यात ने 3.2 बिलियन अमरीकी डालर की कमाई की, जिसमें 1.3 मिलियन टन से अधिक माल विदेशों में निर्यात किया गया, मात्रा में 9.3% की वृद्धि हुई, लेकिन तुलना में मूल्य में 13.8% की कमी आई। पिछले वर्ष की इसी अवधि तक

### सीसीआई वारंगल में 23 कपास खरीद केंद्र स्थापित करेगी

सरकार लंबे रेशे वाले कपास के लिए 7,020 रुपये प्रति क्विंटल और मध्यम रेशे वाले कपास के लिए 6,620 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दे रही है। भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के अधिकारी जिले में 23 कपास खरीद केंद्र स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं, और संचालन नवंबर के पहले सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है। ये केंद्र एनुमामुला कृषि बाजार यार्ड सहित कपास जिनिंग मिलों और बाजार यार्डों के भीतर स्थित हैं।

### कपास पर गुलाबी इल्ली का प्रकोप, किसानों ने मांगा मुआवजा

चंडीगढ़ : गुलाबी बॉलवर्म के हमलों को नियंत्रित करने के कृषि विभाग के दावों के विपरीत, फाजिल्का में कपास उत्पादकों को पिछले महीने कीट के संक्रमण के कारण नुकसान उठाना पड़ा। कईयों ने तो अपनी फसल उखाड़ने का भी फैसला कर लिया। किसानों को अब राज्य सरकार से मुआवजा मिलने की उम्मीद है। फाजिल्का में 93 हजार हेक्टेयर में कपास की बुआई की गई थी। कृषि विभाग का अनुमान है कि 20,000 हेक्टेयर में 50% से 75% नुकसान, 100 हेक्टेयर में 75% से 100% नुकसान और बाकी श्रेणी में 25% से कम नुकसान होगा।

### ब्राजील भारत को कपास निर्यात करने के लिए टैरिफ-मुक्त कोटा के लिए बातचीत कर रहा है

बुधवार को ब्राजीलियाई कपास किसान संघ (अब्रापा) के एक बयान के अनुसार, ब्राजील एशियाई देशों में ब्राजीलियाई कपास के निर्यात के लिए 100,000 मीट्रिक टन के टैरिफ-मुक्त कोटा के अनुरोध पर भारत के साथ बातचीत कर रहा है। एसोसिएशन ने नोट में कहा कि सरकारी अधिकारियों और ब्राजीलियाई कपास किसानों की एक टीम इस सप्ताह भारत का दौरा कर रही है, जो उस कोटा को लागू करने के लिए एक समझौते पर मुहर लगाने की कोशिश कर रही है।

### वैश्विक कॉटन स्टॉक 2023/24 में रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंचने के लिए तैयार हैं

2023/24 में वैश्विक कपास स्टॉक 23.32 मिलियन टन तक पहुंचने की संभावना है, जो अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति (आईसीएसी) द्वारा डेटा संग्रह के 83 साल के इतिहास में अब तक का उच्चतम स्तर है। यह 2022/23 सीज़न में 10% की वृद्धि दर्शाता है, और वैश्विक उत्पादन में अनुमानित 3% वृद्धि और वैश्विक खपत में 0.43% की कमी से प्रेरित है।

### कॉटन फिजिकल मार्केट नवंबर माह के पहले सप्ताह कॉटन के भाव में गिरावट का माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए गिरावट वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ झोन में गिरावट देखी गई।

नार्थ झोन में पंजाब, हरयाणा और अपर राजस्थान में 150, 150 और 150 रुपए प्रति मंड की गिरावट देखी गई।

वही सेंट्रल झोन के मध्य प्रदेश में 900 और महाराष्ट्र राज्य में 700 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली, गुजरात में सबसे ज्यादा 1000 रुपय प्रति कैंडी भाव गिरे।

साउथ झोन मार्केट में भी गिरावट जारी रही। ओडिशा में 1200 रुपए प्रति कैंडी तक की गिरावट देखी, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में क्रमशः 1500, 2000 और 1200 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट आयी।

| STATE  |                     | 30.10.23 |        | 04.11.23 |        | CHANGE |
|--|---------------------|----------|--------|----------|--------|--------|
| STAPLE LENGTH  |                     | LOW      | HIGH   | LOW      | HIGH   |        |
| <b>NORTH ZONE</b>  |                     |          |        |          |        |        |
| PUNJAB   | 28.5                | 5,675    | 5,775  | 5,525    | 5,625  | -150   |
| HARYANA  | 27.5/28             | 5,570    | 5,670  | 5,440    | 5,520  | -150   |
| UPER RAJASTHAN   | 28                  | 5,575    | 5,700  | 5,425    | 5,550  | -150   |
| <b>CENTRAL ZONE</b>  |                     |          |        |          |        |        |
| GUJARAT  | 29                  | 58,200   | 58,400 | 57,200   | 57,400 | -1,000 |
| MADHYA PRADESH   | 29                  | 57,800   | 58,200 | 56,800   | 57,300 | -900   |
| MAHARASHTRA  | 29 vid.             | 57,200   | 58,200 | 57,000   | 57,500 | -700   |
| SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775                                 |                     |          |        |          |        |        |
| <b>SOUTH ZONE (OLD)</b>  |                     |          |        |          |        |        |
| ODISHA   | 29.5+               | 59,300   | 59,400 | 58,500   | 58,300 | -1,100 |
| KARNATAKA  | 29.5/30 mm          | 58,500   | 59,000 | 57,000   | 57,500 | -1,500 |
| ANDHRA PRADESH   | 29.5/30 mm          | 58,500   | 59,000 | 56,000   | 57,000 | -2,000 |
| TELANGANA  | 29.5/30 mm 78-80 RD | 58,000   | 58,500 | 56,500   | 57,300 | -1,200 |
| NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality. |                     |          |        |          |        |        |
| Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy         |                     |          |        |          |        |        |



# NEWSLETTER

Saturday, 04 November 2023 | Volume - 70

Article | Cotton Weekly Physical chart | Weekly cotton arrival | Important News



*India's cotton yield may be lowest in 15 years, to drop by 20%*

**IMPORT & EXPORT UPDATE**



**GOLD : 61025**  
**SILVER : 72287**  
**CRUDE OIL : 6699**

## Different quality cotton in India



**MCU 5:** MCU 5 is a widely grown cotton variety in India with good fiber quality and yield.

**Banni 42:** Banni 42 is another Bt cotton variety with good resistance to pests and high yield.

**JK Hybrids:** JK hybrids like J34 are grown in northern India and are known for their quality and yield.

**"MECH-1":** "MECH-1" is a cotton variety developed by the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) for cultivation in India. It is known for its resistance to certain pests and diseases, making it a popular choice for cotton farmers. It was developed to address the challenges faced by cotton growers, including pests such as American bollworm and diseases such as leaf curl virus

**"DCH-1":** "DCH-1" cotton seeds usually refer to a series of cotton varieties developed by various agricultural research organizations and companies. DCH stands for "Dharwad Cotton Hybrid" and these cotton varieties are known for their suitability for cultivation in specific regions. Dharwad, a city in the Karnataka state of India, is famous for its cotton research and cotton hybrid development.

According to the information, many high quality cotton seed varieties were popular in India. Selection of the "best" variety depends on factors such as region, climate, and the specific needs of the cotton farmer. Cotton varieties are constantly evolving, so the best variety may change over time. Some of the cotton varieties known for their quality in India include:

**Banni (Bt):** Banni is a popular Bt cotton variety in India known for its high yield and pest resistance.

**Gujarat Cotton Varieties:** Gujarat has several region-specific cotton varieties, such as Gujarat Hybrid 6, Gujarat Hybrid 9, and Gujarat Hybrid 10, which are known to be adapted to the growing conditions of the state.

Cotton seed varieties may vary in their adaptability according to different regions and climatic conditions. It is important for farmers to consult with local agricultural experts, seed companies, or agricultural extension services to determine the most suitable cotton variety for their specific location and needs.

## A look at the weekly movement of the cotton market

**SMART INFO SERVICES**  
**CALL : 91119 77771 - 5**  
**WEEKLY CHART 04.11.2023**
**ICE COTTON**

| MONTH | 27.10.23 | 03.11.23 | WEEKLY CHANGE |
|-------|----------|----------|---------------|
| DEC   | 84.38    | 79.62    | -4.76         |
| MARCH | 86.13    | 82.12    | -4.01         |
| MAY   | 86.98    | 83.18    | -3.8          |

**MCX (COTTON)**

|     |       |       |      |
|-----|-------|-------|------|
| NOV | 59100 | 58400 | -700 |
| JAN | 59800 | 59240 | -560 |

**NCDEX (KAPAS)**

|       |      |      |     |
|-------|------|------|-----|
| APRIL | 1645 | 1613 | -32 |
|-------|------|------|-----|

**NCDEX (COCUD KHAL)**

|     |      |      |     |
|-----|------|------|-----|
| DEC | 2907 | 2934 | 27  |
| JAN | 2868 | 2857 | -11 |
| FEB | 2880 | 2860 | -20 |

**SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775****CURRENCY (\$)**

|                       |         |         |          |
|-----------------------|---------|---------|----------|
| INDIAN (Rupee)        | 83.24   | 83.17   | -0.07    |
| PAK (Pakistani Rupee) | 280.325 | 284.498 | 4.173    |
| CNY (Chinese yuan)    | 7.31735 | 7.30199 | -0.01536 |
| BRAZIL (Real)         | 5.01520 | 4.90109 | -0.11411 |
| AUSTRALIAN Dollar     | 1.57990 | 1.53550 | -0.0444  |
| MALAYSIAN RINGGITS    | 4.77785 | 4.72949 | -0.04836 |

|                          |       |       |       |
|--------------------------|-------|-------|-------|
| COTLOOK "A" INDEX        | 95.00 | 91.80 | -3.2  |
| BRAZIL COTTON INDEX      | 78.91 | 81.29 | 2.38  |
| USDA SPOT RATE           | 79.56 | 74.73 | -4.83 |
| MCX SPOT RATE            | 58440 | 57240 | -1200 |
| KCA SPOT RATE (PAKISTAN) | 17000 | 17200 | 200   |

|             |         |         |       |
|-------------|---------|---------|-------|
| GOLD (\$)   | 2016.30 | 1999.90 | -16.4 |
| SILVER (\$) | 23.245  | 23.330  | 0.085 |
| CRUDE (\$)  | 85.16   | 80.89   | -4.27 |

There was a decline in the international cotton market in the first week of November.

Cotton prices for the months of December 23, March 24 and May 24 on the International Cotton Exchange fell by 4.76, 4.01 and 3.80 cents respectively.

A decline was also seen in the prices of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. The deal prices for the months of November and January fell by Rs 700 and Rs 560 per candy respectively.

On NCDEX, cotton prices decreased by Rs 32 per 20 kg, while the price of cotton-seed fell by Rs 11 and Rs 20 per quintal in the months of January and February respectively.

If we look at the cotton market of other countries, Cotlook "A" index declined by 3.20 cents, USDA spot rate decreased by 4.83 cents and MCX spot rate declined by Rs 1200 per candy, while Brazil Cotton Index increased by 2.38 points. Has been registered. At Pakistan's KCA spot rate, prices fell by Rs 200 by the end of the week.

## Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

**SMART INFO SERVICES****ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL**

CALL : 91119 77775

| STATE               | 30.10.23      | 31.10.23      | 01.11.23      | 02.11.23      | 03.11.23       | 04.11.23       |
|---------------------|---------------|---------------|---------------|---------------|----------------|----------------|
| PUNJAB              | -             | -             | -             | -             | -              | -              |
| HARYANA             | 7,000         | 7,000         | 7,000         | 7,000         | 9,500          | 9,500          |
| UPPER RAJASTHAN     | 9,000         | 9,000         | 9,000         | 9,000         | 10,000         | 10,000         |
| LOWER RAJASTHAN     | 10,500        | 8,000         | 8,000         | 12,000        | 11,000         | 11,000         |
| <b>NORTH ZONE</b>   | <b>26,500</b> | <b>24,000</b> | <b>24,000</b> | <b>28,000</b> | <b>30,500</b>  | <b>30,500</b>  |
| GUJRAT              | 30,000        | 24,000        | 30,000        | 30,000        | 30,000         | 30,000         |
| MAHARASHTRA         | 7,000         | 10,000        | 10,000        | 9,000         | 12,000         | 12,000         |
| MADHYA PRADESH      | 12,000        | 9,000         | 10,500        | 12,000        | 12,000         | 12,000         |
| <b>CENTRAL ZONE</b> | <b>49,000</b> | <b>43,000</b> | <b>50,500</b> | <b>51,000</b> | <b>54,000</b>  | <b>54,000</b>  |
| KARNATAKA           | 8,000         | 7,000         | 6,500         | 5,500         | 7,000          | 7,000          |
| TELANGANA           | 7,000         | 4,500         | 6,500         | 5,000         | 10,000         | 10,000         |
| ANDHRA PRADESH      | 3,500         | 2,500         | 3,000         | 3,000         | 3,500          | 3,500          |
| TAMILNADU           | 1,000         | 500           | 500           | 500           | 1,000          | 1,000          |
| <b>SOUTH ZONE</b>   | <b>19,500</b> | <b>14,500</b> | <b>16,500</b> | <b>14,000</b> | <b>21,500</b>  | <b>21,500</b>  |
| ODISHA              | -             | -             | -             | -             | -              | -              |
| <b>TOTAL</b>        | <b>95,000</b> | <b>81,500</b> | <b>91,000</b> | <b>93,000</b> | <b>106,000</b> | <b>106,000</b> |

Note : Punjab arrival nill this week due to Strike

**भावपूर्ण श्रद्धांजली****स्व. श्री प्रवीण जी सिंघानिया**

17 दिसंबर 1984 - 30 अक्टूबर 2023

अच्छे लोग दिलों में इस तरह उतर जाते हैं,  
कि मरने के बाद भी अमर हो जाते हैं !

शोकाकुल - स्मार्ट इन्फो टीम



## India's cotton yield may be lowest in 15 years, to drop by 20%

The cotton production in India for 2023-24 is projected to be the lowest in the last 15 years. The first estimates by the Cotton Association of India (CAI) showed production would be around 29.51 million bales.

A bale of cotton amounts to 170 kilogrammes.

The production estimates for the current year are significantly lower than the government estimates of 31.65 million bales announced in early October.

In 2022-23, the production was 31.89 million bales and if the predictions come true, the cotton production will register a low of 7.49 per cent.

In India, the lowest cotton production was recorded in 2008-09 with 29 million bales, according to the Cotton Advisory Board.

CAI has attributed the losses to reduced total area in cotton sowing, which has decreased by 5.5 per cent and a drop in yield of up to 20 per cent with unfavourable weather conditions due to El Nino and severe infestation of pink bollworm in north India.

In north India, the estimated crop volume has decreased from 6.2 million bales to 4 million bales.

CAI has projected cotton production at 8.5 million bales in Gujarat, 7.6 million bales in Maharashtra, three million bales in Telangana, 1.85 million bales in Karnataka, 1.8 million bales in Madhya Pradesh, and 1.6 million bales in Haryana during 2023-24 season, reported news agency Press Trust of India.

The Association estimated India would import 2.2 million bales of cotton and expected the availability of cotton to be around 34.6 million bales. The domestic demand is 31.1 million bales, consisting of 28 million bales for mills, 1.6 million bales for non-mills and 1.5 million for small-scale.

## Brazil negotiates for tariff-free quota to export cotton to India



Brazil is negotiating with India a request for tariff-free quota of 100,000 metric tons for exports of Brazilian cotton to the Asian nation, according to a statement from the Brazilian cotton farmers association (Abrapa) on Wednesday.

The association said in the note that a team of government officials and Brazilian cotton farmers is visiting India this week, seeking to seal a deal to have that quota implemented.

Currently, any cotton exports to India pay an import tax of 11%, the association said.

A deal would be a boost to an expanding cotton industry in the South American country, which is expected to surpass the U.S. this year as the world's No. 1 cotton exporter, according to the U.S. Department of Agriculture.

"We believe that a larger amount of Brazilian cotton in India would be complementary to their production, particularly this year when their crop is expected to fall from 7% to 10%," said Abrapa head Celestino Zanella

# TOP 5

# NEWS OF THE WEEK

## A positive sign is expected from Vietnam's fiber exports

Vietnam is the world's sixth largest fiber exporter and the world's third largest exporter of textiles and apparel after China and Bangladesh. The latest data from the General Customs Department showed that, by the end of the third quarter of 2023, fiber exports earned USD 3.2 billion, with more than 1.3 million tons of goods exported abroad, accounting for 9.3% of the volume. increased, but in comparison the value decreased by 13.8%. Up to the same period last year.

## CCI will set up 23 cotton procurement centers in Warangal

The government is giving a minimum support price (MSP) of Rs 7,020 per quintal for long staple cotton and Rs 6,620 per quintal for medium staple cotton. Cotton Corporation of India (CCI) officials are preparing to set up 23 cotton procurement centers in the district, and operations are expected to begin in the first week of November. These centers are located within the cotton ginning mills and market yards including Enumamula Agricultural Market Yard.

## Pink Illi outbreak on cotton, farmers demand compensation

Chandigarh: Contrary to the agriculture department's claims of controlling pink bollworm attacks, cotton growers in Fazilka suffered losses due to infestation of the pest last month. Many even decided to uproot their crops. Farmers are now expected to get compensation from the state government. Cotton was sown in 93 thousand hectares in Fazilka. The Department of Agriculture estimates that 50% to 75% loss in 20,000 hectares, 75% to 100% loss in 100 hectares and less than 25% loss in the remaining category.

## Brazil is negotiating a tariff-free quota for cotton exports to India

According to a statement by the Brazilian Cotton Farmers Association (Abrapa) on Wednesday, Brazil is negotiating with India on a request for a tariff-free quota of 100,000 metric tonnes for Brazilian cotton exports to Asian countries. A team of government officials and Brazilian cotton farmers is visiting India this week to try to seal an agreement to implement that quota, the association said in a note.

## Global cotton stocks are set to reach a record high in 2023/24

Global cotton stocks are expected to reach 23.32 million tonnes in 2023/24, the highest level ever in the 83-year history of data collection by the International Cotton Advisory Committee (ICAC). This represents an increase of 10% in the 2022/23 season, and is driven by an estimated 3% increase in global production and a 0.43% decrease in global consumption.

*Cotton Physical Market: There was a decline in cotton prices in the first week of November.*

This week was a decline for the cotton physical market. A decline was seen in North, Central and South zones.

In the North Zone, a fall of Rs 150, Rs 150 and Rs 150 per maund was seen in Punjab, Haryana and Upper Rajasthan.

In the central zone, a fall of Rs 900 per candy was seen in Madhya Pradesh and Rs 700 per candy in Maharashtra state, in Gujarat the price fell the most by Rs 1000 per candy.

The decline continued in the South Zone market also. Odisha saw a fall of up to Rs 1200 per candy, Karnataka, Andhra Pradesh and Telangana saw a fall of Rs 1500, 2000 and 1200 per candy respectively

|  |                     | SMART INFO SERVICES       |        |          |        |        |
|--|---------------------|---------------------------|--------|----------|--------|--------|
|  |                     | india.smartinfo@gmail.com |        |          |        |        |
|  |                     | Call : 91119 77775        |        |          |        |        |
|  |                     | DATE: 04.11.2023          |        |          |        |        |
| WEEKLY COTTON BALES MARKET   |                     |                           |        |          |        |        |
| STATE  | STAPLE LENGTH       | 30.10.23                  |        | 04.11.23 |        | CHANGE |
|  |                     | LOW                       | HIGH   | LOW      | HIGH   |        |
| NORTH ZONE   |                     |                           |        |          |        |        |
| PUNJAB   | 28.5                | 5,675                     | 5,775  | 5,525    | 5,625  | -150   |
| HARYANA  | 27.5/28             | 5,570                     | 5,670  | 5,440    | 5,520  | -150   |
| UPER RAJASTHAN   | 28                  | 5,575                     | 5,700  | 5,425    | 5,550  | -150   |
| CENTRAL ZONE   |                     |                           |        |          |        |        |
| GUJARAT  | 29                  | 58,200                    | 58,400 | 57,200   | 57,400 | -1,000 |
| MADHYA PRADESH   | 29                  | 57,800                    | 58,200 | 56,800   | 57,300 | -900   |
| MAHARASHTRA  | 29 vid.             | 57,200                    | 58,200 | 57,000   | 57,500 | -700   |
| SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775                                 |                     |                           |        |          |        |        |
| SOUTH ZONE (OLD)   |                     |                           |        |          |        |        |
| ODISHA   | 29.5+               | 59,300                    | 59,400 | 58,500   | 58,300 | -1,100 |
| KARNATAKA  | 29.5/30 mm          | 58,500                    | 59,000 | 57,000   | 57,500 | -1,500 |
| ANDHRA PRADESH   | 29.5/30 mm          | 58,500                    | 59,000 | 56,000   | 57,000 | -2,000 |
| TELANGANA  | 29.5/30 mm 78-80 RD | 58,000                    | 58,500 | 56,500   | 57,300 | -1,200 |
| NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality. |                     |                           |        |          |        |        |
| Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy         |                     |                           |        |          |        |        |